भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

रसायन और पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-854

दिनांक 01 मार्च, 2016 को उत्तर दिए जाने के लिए

.....

घातक रसायन का उत्पादन

854. श्री शंकर प्रसाद दत्ता :

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान अग्रणी रसायन और पेट्रो कैमिकल उद्योगों द्वारा कीटनाशकों के उत्पादन की दर क्या है;

(ख) क्या मुख्य रसायनों के उत्पादन में कमी आई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(घ) रसायनों की उत्पादन दर में वृद्धि करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपचारात्मक उपाय किए गए हैं ?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हंसराज गंगाराम अहिर)

(क) : गत तीन वर्षों में देश में रसायन और पेट्रोरसायन के बड़े और मध्यम आकार के उद्योगों के अंतर्गत विनिर्माताओं द्वारा उत्पादित कीटनाशक (तकनीकी श्रेणी) की मात्रा नीचे दी गई हैं ।

वर्ष	उत्पादन (हजार मीट्रिक टन)
2012-13	155
2013-14	179
2014-15	186

(ख) : जी, नहीं ।

(ग) : प्रश्न नहीं उठता ।

....जारी

(घ) : रसायन क्षेत्र लाइसेंस मुक्त और नियंत्रण-मुक्त है । उद्यमी तकनीकी आर्थिक संभावना, मांग और आपूर्ति परिदृश्य और फीडस्टॉक/कच्चे माल की लागत के आधार पर निजी क्षेत्र में इकाइयां स्थापित कर रहे हैं । सरकार ने अनेक कदम उठाएं हैं जिनमें देश में रसायन क्षेत्र और उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में समन्वय करने के उद्देश्य से फीडस्टॉक/बिल्डिंग ब्लॉकों पर सीमा शुल्क का युक्तिकरण करना शामिल है । इसके अलावा, इंडिया - केम 2014 तथा इंडिया केम - गुजरात 2015 सहित विभिन्न सेमिनारें/कार्यशालाएं, रसायनों के क्षेत्र में विकास के लिए प्रौद्योगिकी, विचारधारा, नवोन्मेषण और क्रेता-विक्रेता बैठक आदि के आदान-प्रदान के लिए आयोजित की गई थी ।

***